रविन्द्र केसकर

तुम भी बनाओ बातूनी कौआ

इस बार बारी है बातूनी कौए की। बात कौए से शुरू ज़रूर हुई है पर पहुँचेगी कहाँ यह कहना मुश्किल है। ओरीगैमी यानी कागज़ मोड़कर क्या-क्या न बनाने की कला की खूबी यही है। किसी एक बिन्दु तक पहुँचकर मूल तकनीक में थोड़े-थोड़े बदलाव कर बहुत-सी चीज़ें बना सकते हैं। इसमें तुम्हारी कल्पना शक्ति का भरपूर इस्तेमाल होगा।

हाँ, मूल खिलौने को अच्छी तरह से समझना ज़रूरी है। शुरू करते हैं सामान्य कौए और उसके बच्चे से।

1. एक चौकोर कागज़ लो। कागज़ के सफेद हिस्से के चारों कोनों पर A, B, C, D लिख लो। D को B से मिलाकर AC पर पक्का मोड़ बनाकर खोल लो। इसी तरह C को A से मिलाकर BD पर पक्का मोड़ बनाओ। BD को मुड़ा रहने दो। इसके केन्द्र को O नाम दे दो। C को O से मिलाकर PQ मोड़ बना लो।

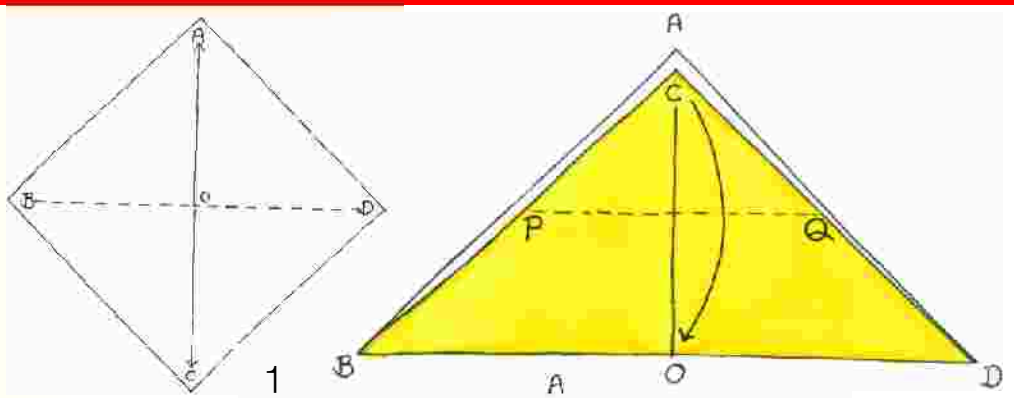

2. अब दो हिस्सों वाला सफेद A P CQ चौकोर तुम्हारे सामने होगा। AP को PQ से मिलाकर सिर्फ मध्य रेखा AC तक ही मोड़कर खोल दो। इसी प्रकार AQ भुजा को भी QP से मिलाकर सिर्फ मध्य रेखा AC तक ही मोड़कर खोल दो। CP व CQ भुजाओं को भी इसी तरह मोड़कर खोल लो।

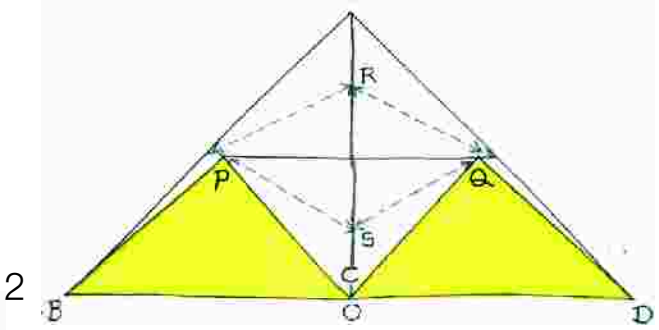

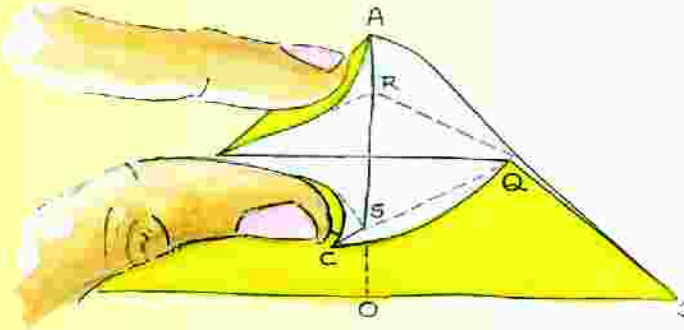

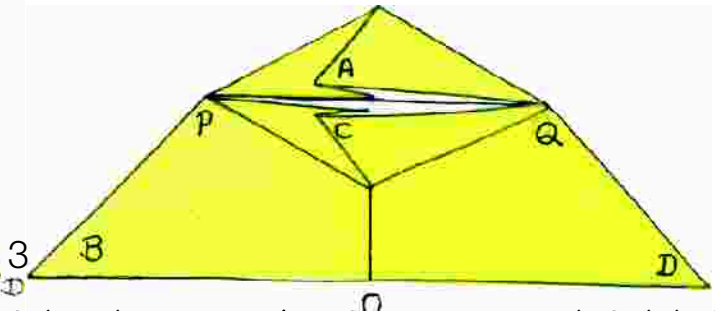

3. मोड़ PR व PS को चित्र में दिखाए तरीके से अँगूठे और उँगली से दबाते हुए पास लाओ। इसी प्रकार QR व QS को भी मोड़ो। ऐसा करने पर कौए की नाक बन जाएगी। इस तकनीक को "खरगोश के कान" बनाना कहते हैं।

4. चित्र में देखते हुए B को D से पीछे की ओर से मोड़ दो। यह बन गया सामान्य कौआ।

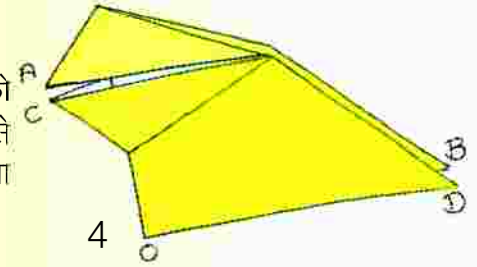

कौए के पंखों को खोलो, बन्द करो।
वो काँव...काँव करने लगेगा।

इसके लिए पहला मोड़ तो पहले जैसा होगा।

2. C को O से काफी पहले मोड़कर PQ बना लो। अबकी बार बना चौकोर पहले वाले APCQ से छोटा होगा। चोंच भी छोटी ही बनेगी। थोड़ी बड़ी चोंच बनाना चाहो तो C को O बिन्दु से थोड़ा पहले ही लाकर PQ बना लो। फिर खरगोश के कान तकनीक से चोंच बना लो। B व D को चित्र में दिखाए तरीके से मोड़ लो। B कोने को D से मिला दो।
3. O का नुकीला सिरा तिरछा मोड़कर खोल दो। इसे अन्दर पेट की तरफ मोड़ दो।
4. चित्र में दिख रही टूटी रेखा पर दोनों निचले कोनों को भी मोड़कर घुमावदार पेट बना लो।

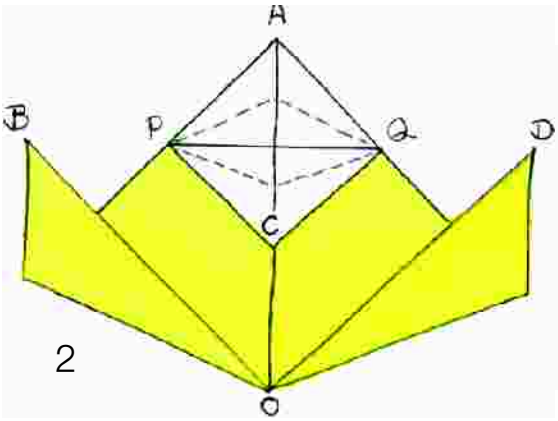

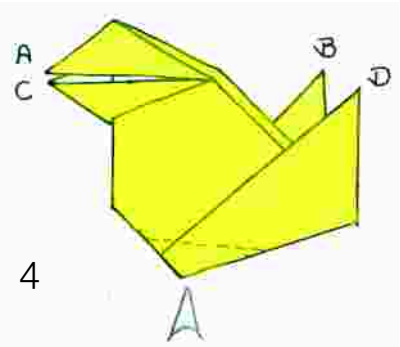

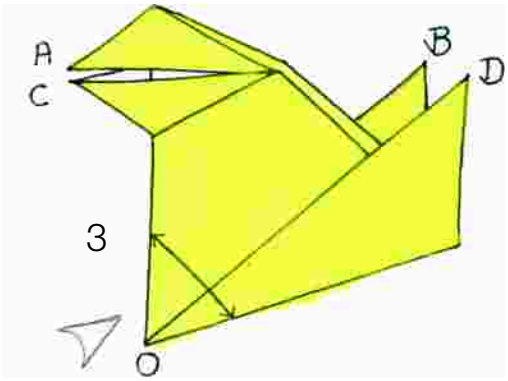

नन्हा कौआ तैयार है।

अगली बार मूल तकनीक में बदलाव कर विकसित कौआ बनाएँगे। तब तक तुम ही कोशिश करना इसमें बदलाव लाने के लिए।

चित्र - जितेन्द्र ठाकुर

फरवरी अंक की चित्र पहेली के हल

1 घ	ड़ि	या	2 ल	■	3 स	वा	■	4 चि
ड़ा	■	■	ह	■	त	■	5 को	ना
■	6 हा	■	7 सु	अ	र	■	8 ल	ब
9 ब	र	10 त	न	■	11 ह	12 की	म	■
स	■	र	■	13 सौ	■	म	■	14 का
■	15 ता	बू	16 त	■	17 प	त	18 झ	र
19 जि	■	20 ज	ल	पो	त	■	ड़ी	■
21 रा	त	■	22 घ	■	23 वा	ण	■	24 ता
फ	■	25 गौ	र	■	र	■	26 मो	र

रोटी का पेड़

रोटी अगर पेड़ पर लगती
तोड़-तोड़ कर खाते,
तो पापा क्यों गेहूँ लाते
और उन्हें पिसवाते?
रोज़ सवेरे उठकर हम
रोटी का पेड़ हिलाते,
रोटी गिरतीं टप टप टप टप
उठा-उठा कर खाते।

- निरंकारदेव सेवक